

प्रमेय-(10.1) → वृत्त की बराबर जीवाएँ केन्द्र पर बराबर कोण अंतरित करती हैं।

प्रमेय-(10.2) → यदि एक वृत्त की जीवाओं द्वारा केन्द्र पर अंतरित कोण बराबर हों, तो वे जीवाएँ बराबर होती हैं।

प्रमेय-(10.3) → एक वृत्त के केन्द्र से एक जीवा पर डाला गया लम्ब जीवा को समद्विभाजित करता है।

अथवा

वृत्त के केन्द्र से जीवा पर डाला गया लम्ब जीवा को समद्विभाजित करता है।

प्रमेय-(10.4) → एक वृत्त के केन्द्र से जीवा को समद्विभाजित करने के लिए खींची गई रेखा जीवा पर लम्ब होती है।

अथवा

वृत्त के केन्द्र और जीवा के मध्य बिन्दु को मिलाने वाली रेखा जीवा पर लम्ब होती है।

प्रमेय-(10.5) → तीन असंरेख बिन्दुओं से होकर एक और केवल एक वृत्त जाता है।

प्रमेय-(10.6) → एक वृत्त की (या सर्वांगसम वृत्तों की) बराबर जीवाएँ केन्द्र से समान दूरी पर होती हैं।

अथवा

वृत्त (अथवा सर्वांगसम वृत्तों) की समान जीवाएँ केन्द्र से समदूरस्थ होती हैं।

प्रमेय-(10.7) → एक वृत्त के केन्द्र से समदूरस्थ जीवाएँ लम्बाई में समान होती हैं।

अथवा

वृत्त (अथवा सर्वांगसम वृत्तों) की जीवाएँ, जो केन्द्र से समदूरस्थ हैं, बराबर होती हैं।

प्रमेय - (10.8) \rightarrow एक चाप द्वारा केंद्र पर अंतरित कोण वृत्त के शेष भाग के किसी बिन्दु पर अंतरित कोण का दुगुना होता है।

प्रमेय - (10.9) \rightarrow एक ही वृत्तखंड के कोण परावर होते हैं।

प्रमेय - (10.10) \rightarrow यदि दो बिन्दुओं को मिलाने वाला रेखाखंड, उसके अंतर्विष्ट करने वाली रेखा के एक ही ओर स्थित है, समान कोण अंतरित करता हो तो ये चार बिन्दु एक वृत्तीय होते हैं, (अर्थात् वे चक्रीय होते हैं)।

प्रमेय - (10.11) \rightarrow चक्रीय चतुर्भुज के सम्मुख कोणों के किसी युग्म का योगफल 180° होता है।

प्रमेय - (10.12) \rightarrow यदि किसी चतुर्भुज के सम्मुख कोणों के एक युग्म का योग 180° हो, तो चतुर्भुज चक्रीय होता है।